अक्षय तृतीया (तीज)

स्वामी हरिदास जी के लाड़िले ठाकुर श्री बाँकेबिहारी जी महाराज की हर बात निराली, हर अदा बाँकी है। श्री बाँकेबिहारीजी महाराज के मन्दिर में होली को छोड़कर प्रत्येक त्यौहार वर्ष में एक बार ही मनाया जाता है। उसी तरह श्रीबिहारीजी महाराज के चरण दर्शन भी वर्ष में एक बार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को होते हैं। उस दिन श्री बिहारी जी महाराज के श्री अंग में मलयागिरी चंदन को केसर के साथ घिसकर लगाया जाता है। और कटि में बिहारीजी महाराज पीताम्बर धारण करते हैं। प्रियाजू को भी पीत वस्त्र धारण कराये जाते हैं और ठाकुर जी के श्री चरणों के बीच में केसर युक्त चंदन का गोला रखा जाता है। श्रीबिहारीजी की बाँकी छवि के दर्शन अक्षय तृतीया को ही होते हैं एवं रात्रि को श्री बिहारीजी के चरण दर्शन के साथ ही श्री अंग के सर्वांग दर्शन भी वर्ष में केवल एक बार ही होते हैं। जिस भक्त को भी इस अकुलाहट भरी ग्रीष्म ऋतु में और अपार जनसमूह के बीच ठाकुर जी के चरणों की एक झलक मिलती है, उसे अपार उल्लास आनन्द की अनुभूति होती है और वह अपने को धन्य महसूस करता है।

इस दिन बिहारी जी महाराज को शीतलता प्रदान करने के लिए सत्तू के लड्डू, शरबत, ठन्डाई आदि का भोग लगाया जाता है और श्रीबिहारीजी के चरणों में पायल भी धारण कराते हैं। सभी भक्त अपने ठाकुर को लाड़ लड़ाने के लिए अपनी श्रद्धानुसार स्वर्ण, रजत की पायल लाते हैं एवं शरबत, चन्दन, ठन्डाई बिहारीजी महाराज को अर्पित करते हैं। वृन्दावन में जगह जगह दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए प्याऊ भी लगायी जातीं हैं।

Tel +91-565-2444858, 9897233358, 9897919717
Email : info@bankeybihari.info; brijbhakti@yahoo.co.in
www.bankeybihari.info